title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page i

सर्वाइकल नियोप्लेजिया के दृश्यात्मक निरीक्षण हेतु प्रायोगिक नियम–पुस्तिका

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page ii

अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी (IARC) की स्थापना वर्ष 1965 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अन्तर्गत एक स्वतन्त्र रूप से वित्तपोषित संगठन के रूप में विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा की गई थी। इस एजेंसी का मुख्यालय लियॉन, फ्रांस में स्थित है।

यह एजेंसी विशेष रूप से कैंसर के जानपदिक रोग विज्ञान पर केन्द्रित अनुसंधान का कार्यक्रम संचालित करती है और मानव वातावरण में सम्भावित कैंसरजन का अध्ययन भी करती है। इसके क्षेत्रीय अध्ययनों को एजेंसी की लियॉन स्थित प्रयोगशालाओं में किए जाने वाले जैव वैज्ञानिक और रासायनिक अनुसंधानों, और कई देशों में राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों में सहयोगी अनुसंधान के अनुबन्धों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है। एजेंसी कैंसर अनुसंधान के लिए आयुर्विज्ञान कार्मिकों की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए भी कार्यक्रम संचालित करती है।

एजेंसी के प्रकाशनों का अभिप्राय कैंसर अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर प्रमाणिक जानकारी के प्रसार में योगदान देना है। आईएआरसी (IARC) के प्रकाशनों के बारे में विस्तृत सूचना और उन्हें कैसे प्राप्त किया जाए, यह सब जानकारी htpp://www.iarc.fr/ पर इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध है।

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page iii

अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी (IARC)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

सर्वाइकल नियोप्लेजिया के दृश्यात्मक निरीक्षण हेतु प्रायोगिक नियम–पुस्तिका

आर. शंकरनारायणन, एमडी
अंतराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी
लियॉन, फ्रांस

रमनी एस. वेस्ले, एमडी
क्षेत्रीय कैंसर केन्द्र
तिरूअनन्तपुरम, भारत

हिन्दी रूपांतर :
नीरजा भाटला, एमडी
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली, भारत

आईएआरसी (IARC) तकनीकी प्रकाशन सं- 41

आईएआरसी (IARC) प्रेस

लियॉन, 2003

अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी,
150 कूर एल्बर्ट थॉमस, 69372 लियॉन सीडेक्स 08, फ्रांस, द्वारा प्रकाशित

© अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी, 2003
हिन्दी रूपान्तर, 2007

आईएआरसी प्रेस (फैक्सः + 33 04 72 73 83 02; ई–मेलः press@iarc.fr और विश्व स्वास्थ्य संगठन वितरण और बिक्री, सी एच–1211, जेनेवा 27 (फैक्सः + 41 22 791 4857) द्वारा वितरित।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रकाशन को सार्वभौमिक कॉपीराइट समझौता के प्रोटोकॉल २ के उपबन्धों के अनुसार कॉपीराइट का संरक्षण प्राप्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रकाशनों का पूर्ण अथवा आंशिक रूप में पुनः प्रकाशन अथवा अनुवाद के अधिकार के लिए प्रकाशन कार्यालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जेनेवा, स्विटजरलैंड को आवेदन दिया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसे आवेदनों का स्वागत करता है।

इस प्रकाशन में प्रयुक्त विशिष्ट उल्लेख और सामग्रियों का प्रस्तुतीकरण किसी देश, राज्य, नगर अथवा क्षेत्र अथवा उसके प्राधिकारियों के कानूनी स्तर या उसकी सीमाओं अथवा चौहद्दी से सम्बन्धित विश्व स्वास्थ्य संगठन के सचिवालय की किसी राय की अभिव्यक्ति अन्तर्निहित नहीं करता है।

विशिष्ट कंपनियों अथवा कतिपय विनिर्माताओं के उत्पाद का उल्लेख यह अन्तर्निहित नहीं करता है कि उन्हें समान प्रकृति के अन्य उत्पाद, जिनका उल्लेख नहीं किया जाता, की अधिमानता में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पृष्ठांकित अथवा अनुशंसित किया जाता है। भूल–चूक छोड़कर, मालिकाना उत्पादों का नाम प्रारंभिक बड़े अक्षरों द्वारा विभेदीकृत किया गया है।

इस प्रकाशन में व्यक्त विचारों के लिए लेखक ही उत्तरदायी हैं।

प्रकाशन आंकड़े में आईएआरसी (IARC) पुस्तकालय सूचीकरण
शंकरनारायणन आर. (रंगास्वामी)
ए प्रैक्टिकल मैन्यूअल ऑन विजुअल स्क्रीनिंग फॉर सर्वाइकल नियोप्लेजिया
(सर्वाइकल नियोप्लेजिया की दृश्यात्मक जाँच हेतु प्रायोगिक नियम–पुस्तिका)
आर. शंकरनारायणन, रमनी एस. वेस्ले

(आईएआरसी ;प्ण्त्द्ध तकनीकी प्रकाशन, सं. 41)
1- सर्वाइकल इन्ट्राएपीथिलियल नियोप्लेजिया–निदान,
2- सर्वाइकल इन्ट्राएपीथिलियल नियोप्लेजिया–निवारण और नियंत्रण
3- नियम–पुस्तिका, I. वेस्ले रमनी एस, II. शीर्षक, III. श्रृंखला

आईएसबीएन 928322423X (एनएलएम वर्गीकरण डब्ल्यपी 480)

डिजाइन और खाकाः एम जे वेब एसोसिएट्स. न्यूमार्केट. इंग्लैंड
फ्रांस में मुद्रित

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page v

विषय-सूची

प्रस्तावना ..... **vii**

आभार ..... **ix**

अध्याय 1 एसीटिक एसिड तथा ल्यूगोल्स आयोडीन के साथ दृश्यात्मक निरीक्षण (VIA तथा VILI) का शरीर रचना विज्ञानी (एनाटॉमिकल) तथा विकृति विज्ञानी (पैथोलॉजिकल) आधार 1

अध्याय 2 5% एसीटिक एसिड के साथ दृश्यात्मक निरीक्षण (VIA) – परीक्षण विधि तथा परिणामों की रिपोर्टिंग 15

अध्याय 3 ल्यूगोल्स आयोडीन के साथ दृश्यात्मक निरीक्षण (VILI) – परीक्षण विधि तथा परिणामों की रिपोर्टिंग **27**

परिशिष्ट 1 सर्वाइकल कार्सिनोमा की फिगो (FIGO) स्टेजिंग **37**

परिशिष्ट 2 सूचित सहमति **39**

परिशिष्ट 3 VIA तथा VILI के परिणामों की रिपोर्टिंग के लिए प्रारूप **40**

परिशिष्ट 4 सर्वाइकल नियोप्लेजिया का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए प्रयुक्त उपकरणों और सामग्रियों की सफाई **43**

परिशिष्ट 5 5% एसीटिक एसिड, ल्यूगोल्स आयोडीन घोल और मोन्सेल्स पेस्ट तैयार करने की विधि **45**

शब्दावली **47**

अधिक पठन के लिए सुझाव **49**

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page vi

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page vii

प्रस्तावना

सर्वाइकल कैंसर विश्व भर में महिलाओं में पाया जाने वाला दूसरा सर्वाधिक आम कैंसर है। प्रत्येक वर्ष लगभग 452,000 नए रोगी इस रोग से ग्रस्त होते हैं। कई विकासशील देशों में, जहां विश्व की कुल आबादी का अनुमानित तीन–चौथाई भाग है, यह महिलाओं में पाया जाने वाला सर्वाधिक आम कैंसर और अधेड़ उम्र की महिलाओं में मृत्यु का सर्वाधिक आम कारण भी है। इसके जन स्वास्थ्य महत्व के बावजूद अधिकांश विकासशील देशों में इस रोग से निपटने के लिये कोई प्रभावी निवारण कार्यक्रम नहीं है और इसलिए सर्वाइकल कैंसर से बीमारी और मृत्यु के जोखिम पर नियंत्रण नहीं है। इनवेसिव (आक्रामक) सर्वाइकल कैंसर से पहले कैंसर–पूर्व लीजन का एक दीर्घ चरण होता है, जिसका पता जाँच द्वारा लगाया जा सकता है और साधारण उपचार प्रभावकारी हो सकते हैं। इससे आक्रामक कैंसर की रोकथाम हो सकती है। कोशिकाविज्ञान (साइटोलॉजी) पर आधारित जाँच इसके लिए प्रभावी साबित हुई है, परन्तु कई विकासशील देशों में यह स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता के बाहर है। इसलिए सर्वाइकल नियोप्लेजिया का शीघ्र पता लगाने के लिये, अन्य विधियों, विशेषकर दृश्यात्मक निरीक्षण (visual inspection) पर आधारित विधियों, की खोज की जा रही है।

दो साधारण लघु–प्रौद्योगिकी जाँच परीक्षण, नामतः एसीटिक एसिड के साथ दृश्यात्मक निरीक्षण (वीआइए, VIA) और ल्यूगोल्स आयोडीन के साथ दृश्यात्मक निरीक्षण (विली, VILI), प्रशिक्षित स्वास्थ्य परिचर्या कार्मिकों की योग्यता पर आधारित हैं। इनसे सर्वाइकल रूपान्तरण क्षेत्र में एसिटोव्हाइट क्षेत्रों अथवा पीले आयोडीन भिन्न उद्ग्रहण क्षेत्रों का पता लगाया जाता है। इन दृश्यात्मक जाँचों का प्रायोगिक वातावरण में सर्वाइकल कोशिकाविज्ञान के विकल्प में मूल्यांकन किया जा रहा है। प्रकाशित परिणाम दर्शाते हैं कि गुणवत्तापूर्ण कोशिकाविज्ञान की तुलना में VIA में समान सुग्राहिता परंतु कुछ हद तक निम्नतम संयोग है। VILI के लिए चल रहे कई अध्ययनों से प्राप्त परिणाम इंगित करते हैं कि यह एक और आशाजनक जाँच परीक्षण है।

इस नियम–पुस्तिका का अभिप्राय स्वास्थ्य कर्मियों, नर्सों और चिकित्सकों जैसे विभिन्न स्तर के स्वास्थ्य परिचर्या कार्मिकों को VIA और VILI निष्पादित करने हेतु प्रशिक्षण में सहायता देना है। इस नियम–पुस्तिका के प्रारूपों का प्रयोग पिछले तीन वर्षों से सर्वाइकल कैंसर निवारण के विशिष्ट मूल्यांकन अध्ययन के परिप्रेक्ष्य में अंगोला, बर्किना फेसो, कांगो, गुयाना, भारत, माली, मॉरीटेनिया, नेपाल, लाओस, सेनेगल और तंजानिया में सर्वाइकल कैंसर निवारण सहयोग (एसीसीपी, ।ब्ब्) के माध्यम से बिल एण्ड मलिण्डा गेट्स फाउन्डेशन द्वारा समर्थित 22 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में स्वास्थ्य परिचर्या कार्मिकों को प्रशिक्षित करने में किया गया है। इन पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों और परीक्षण प्रदायकों से प्राप्त जानकारी नियम–पुस्तिका के प्रारूपों को संशोधित करने में उपयोगी रही है। आशा की जाती है कि इससे स्वास्थ्य परिचर्या कार्मिकों को उचित और पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु साधारण जानकारी संसाधन और प्रायोगिक तथा नैदानिक जाँच के लिये VIA और VILI का कुशल व्यवहार सुनिश्चित करने की दीर्घकाल से महसूस की गई आवश्यकता की पूर्ति हागी।

पी. क्लेहयूज, एमडी
निदेशक आइएआरसी (IARC)

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page viii

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page ix

आभार

लेखकगण निम्नलिखित सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस नियम–पुस्तिका के अंग्रेजी प्रारूप की समीक्षा की और संशोधन के लिए उपयोगी सुझाव और सलाह प्रदान किए:

डा. गीतांजलि अमीन, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुम्बई, भारत
डा. पार्थसारथी बासु, चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर सस्थान, कोलकाता, भारत
डा. मार्था जैकब, इन्जेन्डरहेल्थ, न्यूयार्क, यू.एस.ए.
डा. होजे जेरोनिमो गुइबोविच, जिनेकोलोजिया ऑन्कोलोजी, पेटालोजिया मेमेरिया, कॉल्पोस्कोपिया, इंस्टीच्यूटो दे इन्फरमिडेडेज नियोप्लासिकाज, पेरू
डा. बी.एम. नेने, नर्गिस दत्त मेमोरियल कैंसर अस्पताल, बार्शी, भारत
डा. आर. राजकुमार, क्रिश्चियन फेलोशिप सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अम्बलिकई, भारत
डा. जॉन सेलर्स, प्रोग्राम फॉर एप्रोप्रिएट टेक्नोलॉजी इन हेल्थ, सिएटल, वाशिंगटन, यू.एस.ए.
डा. सुधा एस. सुंदर, जॉन रेडक्लिफ हॉस्पिटल, आक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम

लेखकगण इस नियम–पुस्तिका को तैयार करने में निम्नलिखित सहयोगियों के उनके मूल्यवान और अथक योगदान के लिए अत्यधिक ऋणी हैं:

डा. जॉन केनी, आइएआरसी (IARC), लियॉन, फ्रांस, जिन्होंने इस नियम–पुस्तिका के सम्पादन का कार्य किया;
श्रीमती एवीलिन बेल, आइएआरसी (IARC), लियॉन, फ्रांस, जिन्होंने इस नियम–पुस्तिका के कई प्रारूप रूपान्तरणों का प्रारंभिक सम्पादन और टंकण कार्य किया;
सुश्री कृतिका पिटेसरिंगकर्न, आइएआरसी (IARC), लियॉन, फ्रांस, जिन्होंने चित्रों की तैयारी में सहायता की;
श्रीमती लक्ष्मी शंकरनारायणन, लियॉन, फ्रांस जिन्होंने रेखा चित्रों को बनाने में सहायता की।

लेखकगण प्रशिक्षण पाठयक्रम, जहां इस नियम–पुस्तिका का प्रयोग किया गया था, के सभी विधार्थियों के सहायक सुझावों के लिए उनके आभारी हैं।

हिन्दी रूपान्तरण तैयार करने में अथक सहायता और मूल्यवान सुझावों के लिए निम्नलिखित सहयोगियों का हम आभार व्यक्त करते हैं:
श्री एस. के. चौधरी, डा. आरती गुलाटी, डा. शची वशिष्ट, डा. सिद्धार्थ सिंह, श्री महावीर त्रिपाठी, श्रीमती कृष्णा कुमारी और श्रीमती योगिता कुमारी।

title_intro_pages_final.qxp 06/06/2007 14:31 Page x